IN THE HIGH COURT OF JUDICATURE AT PATNA
Criminal Miscellaneous No.29288 of 2017
Arising Out of PS.Case No. -366 Year- 2016 Thana -MARHAURA District- SARAN

==========

1. Antu Kumar Gupta Son of Lalbabu Gupta Resident of Village - Asoeya, P.S. - Marahaura, District - Chapra (Saran).

.... Petitioner

Versus

1. The State of Bihar.

.... Opposite Party

==========

Appearance :
For the Petitioner/s : Mr. Ravi Kumar Panday
For the Opposite Party/s : Mr. Jitendra Kumar Singh

==========

CORAM: HONOURABLE MR. JUSTICE SUDHIR SINGH
ORAL ORDER

5 16-01-2018 Heard learned counsel for the petitioner, learned counsel for the State and learned counsel for the O.P. No.2.

The petitioner is apprehending his arrest in a case instituted under Section 498(A) of the Indian Penal Code and 3/4 of D.P. Act.

The allegation against the petitioner is of committing torture upon the victim due to non-fulfillment of the demand of dowry.

Vide order dated 13.09.2017, the matter was referred to the Patna High Court Mediation and Conciliation Centre, Patna. As per report of Mediator, the mediation has already been settled between the parties.

Following are the terms and conditions of the settlement:-

<u>पटना उच्च न्यायालय मध्यस्थता केन्द्र</u>
<u>एकरारनामा</u>

WEB COPY

मध्यस्थता कार्रवाई संख्या 967/2017
(Arising out of Cr. Misc. No.29288 of 2017)

Antu Kumar Gupta son of LalBabu Gupta, resident of village-Asoeya, P.S. Marahaura, District-Chapra (Saran)….. Petitioner

And

Sabita Devi wife of Anand Kumar Gupta, D/o Birendra Sah, resident of village-Acsoia Benwari, P.S. Madhawra, District-Chapra (Bihar) ……. O.P. No.2.

उपरोक्त दोनो पक्षो के बीच आज दिनांक 04.01.2018 को निम्नलिखित शर्तो पर आपसी समझौता एवम सुलह हुआ जिसमें दोनो पक्ष बिना किसी दबाव के अपने तन- मन की स्वस्थता में स्वीकार करते है।

दोनो पक्षो में आपसी समझौता हो गया है। दोनो पक्ष मुकदमा लडना नही चाहते है एवं लंबित सभी मुकदमा को वापस लेने के लिए तैयार है-

1. प्रथम पक्ष खोरिष (one time settlement) के रूप में रूपया 1,51,000/- (एक लाख एकावन हजार मात्र) में तय हुआ है बचत खाता संख्या 035903719857190001, I.F.S.C. Code-CSBK0000359 में तीन महीने के अन्दर तीन किस्त में अदा कर देंगे।

2. द्वितीय पक्ष एवं प्रथम पक्ष के बीच में जो भी निम्न न्यायालय मे मुकदमा लंबित है वो सारे मुकदमा स्वत: समाप्त समझे जायेंगे।

3. दोनो पक्ष इस बात से सहमत है कि आज दिनांक 04.01.2018 से दोनो पक्षो के बीच दाम्पत्य जीवन एवं किसी प्रकार का सामाजिक बन्धन नही रहेंगे तथा दोनो पक्ष एक- दूसरे से पूर्णत मुक्त होते हुए स्वतंत्र जीवन व्यतीत करेंगे।

4. यह कि दोनो पक्ष उपरोक्त अनुबंध को पढ व पढवाकर एवं समझकर

WEB COPY

अपने पूर्ण विवाद को सुलह करते हुए अपने अपने हस्ताक्षर अपने अपने विद्धान अधिवक्ता के समक्ष किये।

5. आज दिनांक 04.01.2018 के बाद दोनो पक्ष अपने- अपने संस्कीति के मुताबिक दूसरा विवाह कर अपना- अपना जीवन व्यतीत करने के लिए स्वतंत्र होंगे। भविष्य में एक-दूसरे पर कोई केस मुकदमा एवं दावा नही करेंगे।

Sd/-	Sd/-
(अन्तु कुमार गुप्ता)	(सबिता देवी)
प्रथम पक्ष का हस्ताक्षर	द्वितीय पक्ष का हस्ताक्षर
दिनांक 04.01.2018	दिनांक 04.01.2018

Sd/-	sd/-
प्रथम पक्ष के अधिवक्ता का हस्ताक्षर	द्वितीय पक्ष के अधिवक्ता का हस्ताक्षर
A.O.R. No.032267	A.O.R.No.1011
दिनांक 04.01.2018	दिनांक 04.01.2018

Considering the aforesaid facts and circumstances, let the petitioner above named be released on anticipatory bail in the event of arrest or surrender before the learned court below within a period of six weeks from today in connection with Marahaura P.S. Case No.366 of 2016 on furnishing bail bond of Rs. 10,000/-(Ten Thousand) with two sureties of the like amount each to the satisfaction of learned C.J.M., Saran at Chapra, subject to the conditions as laid down under Section 438(2) of the Code of Criminal Procedure.

(Sudhir Singh, J)

Amit/-

U			

WEB COPY